काशी तमिल संगमम

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने **वाराणसी** में [**काशी तमिल संगमम**](#) **के तीसरे संस्करण का उद्घाटन किया।** यह विशिष्ट आयोजन **भारत की सांस्कृतिक नींव को उजागर करता है** और **काशी और तमिलनाडु के बीच** साझा **भावनात्मक और रचनात्मक बंधन पर ज़ोर देता है।**

मुख्य बिंदु

- **प्रेरणा और दृष्टि:**
    - संगमम **'**[**एक भारत, श्रेष्ठ भारत**](#) **(One India, Excellent India)'** के दृष्टिकोण से प्रेरित है।
    - उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह आयोजन एक **भव्य आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहल का हिस्सा** है जिसका उद्देश्य इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाना है।
    - यह आयोजन भव्य [**महाकुंभ 2025**](#) समारोह के साथ एकीकृत है, जो सदियों पुरानी परंपरा को आगे बढ़ाएगा और काशी तमिल संगमम के माध्यम से भारत को एकजुट करने के दृष्टिकोण को मज़बूत करेगा।
- **काशी, कुंभ और अयोध्या का महत्त्व:**
    - यह सम्मेलन विशेष महत्त्व रखता है क्योंकि [**अयोध्या में राम मंदिर**](#) निर्माण के बाद यह पहला सम्मेलन है।
    - प्रतिनिधियों को काशी, कुंभ और अयोध्या की महानता का अनुभव करने का अवसर प्राप्त होगा।
    - मुख्यमंत्री ने **भारत की सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिकता के केंद्र के रूप में काशी** के ऐतिहासिक महत्त्व पर ज़ोर दिया और तमिल साहित्य की विरासत की प्रशंसा की।
    - यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को इस अमूल्य विरासत से पुनः जोड़ता है।
- **'4S' का विषय:**
    - इस वर्ष का संगमम **'4S'** विषय पर केंद्रित है, जो **भारत की संत परंपरा (Saint Tradition), वैज्ञानिकों (Scientists), समाज सुधारकों (Social Reformers)और छात्रों (Students) को एकजुट करता है।**
    - इस विषय की प्रेरणा **महर्षि अगस्त्य से ली गई है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे उत्तर और दक्षिण भारत के बीच सेतु का काम करने वाले ऋषि थे।**
    - काशी तमिल संगमम उत्तर और दक्षिण भारत के लोगों के बीच **संवाद का एक प्रभावी मंच बन गया है।**

- **संगीत, विरासत और भक्ति:**
    - केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह उत्सव [गंगा](#) के तट पर **संगीत, विरासत और भक्ति को एक साथ पिरोता है।**
    - उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि **विकास और विरासत को साथ-साथ चलना चाहिये।**
- **केंद्र सरकार की पहल:**
    - [प्राचीन ग्रंथों को डिजिटल बनाने](#) तथा **अनुसंधान के लिये** [कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)](#) का उपयोग करने के लिये **भारतीय ज्ञान प्रणाली के राष्ट्रीय डिजिटल भंडार** की स्थापना जैसी पहलों पर प्रकाश डाला गया।
    - **भारतीय भाषा पुस्तक योजना,** जो **पाठ्यपुस्तकों का 22 भारतीय भाषाओं में अनुवाद करेगी, छात्रों के लिये "डिजिटल महाकुंभ"** का निर्माण करेगी।

काशी तमिल संगमम का महत्त्व

- **काशी (उत्तर प्रदेश)** और तमिलनाडु के बीच प्राचीन संबंध **15वीं शताब्दी से चला आ रहा है,** जब [मदुरै](#) के आसपास के क्षेत्र के शासक **राजा पराक्रम पांड्या अपने मंदिर के लिये शिवलिंग** लाने के लिये काशी आए थे।
    - लौटते समय वह **एक पेड़ के नीचे आराम करने के लिये रुके**- लेकिन जब उन्होंने अपनी यात्रा जारी रखने की कोशिश की, तो **शिवलिंग को ले जाने वाली गाय ने आगे बढ़ने से मना कर दिया।**
- पराक्रम पांड्या ने **इसे भगवान की इच्छा समझा और वहाँ शिवलिंग स्थापित कर दिया, वह स्थान तमिलनाडु में शिवकाशी के** नाम से जाना गया।
- जो भक्त **काशी नहीं जा सकते थे, उनके लिये पांड्यों ने दक्षिण-पश्चिमी तमिलनाडु के तेनकाशी नामक** स्थान पर [काशी विश्वनाथ मंदिर](#) का निर्माण कराया था, जो केरल के साथ राज्य की सीमा के समीप है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kashi-tamil-sangamam-2